

55 अज अदालत राजस्व अपील प्राधिकारी अजमेर

470/2016/225

रामपुल (कॉम्प्लेक्स) राभारोद वरिष्ठ

तारीख
पेशी

हुकम या कार्यवाही मय हस्ताक्षर

नम्बर व तारीख
अहकाम जोइस
हुकम की तामील
जारी हुए

श्री विवेक सिंह खंगारोट, एडवोकेट श्री

श्री B.L. शर्मा - 1

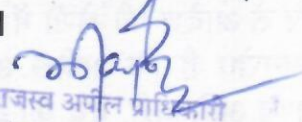
~~निसर्त~~

में फितुर उत्पन्न हो गया है एवं दिनांक 02.03.2013 को प्रार्थीगण के भूमि नाम लगाने से साफ इन्कार हो गये है एवं अजनबी व्यक्तियों को लाकर उक्त भूमि का बिना हुई एवं वाद पत्र के कथन अनुसार अस्थायी निषेधाज्ञा का प्रार्थना पत्र पेश कर कथन किया कि आरजीयात खाता संख्या 539 की आराजी खसरा नम्बर 277 रकबा 0.65 है. एवं खाता संख्या 540 की आराजी खसरा नम्बर 293 रकबा 0.65 है. वाकै ग्राम बोरज तहसील मौजमाबाद के राजस्व रिकार्ड एवं मौके की यथस्थिति बनायी रखी जाने के आदेश प्रदान करावे।

अभिभाषक रेस्पोंडेन्टस ने आगे बहस में कथन किया कि अधीनस्थ न्यायालय उपखण्ड अधिकारी, दूदू ने अपने दिनांक 15.06.2016 द्वारा विवादित विवादित आराजी खसरा नम्बर 277, 293 की मौका एवं रिकार्ड की यथास्थिति बनाये रखने एवं एक-दूसरे के कब्जा काश्त में दखलंदाजी नहीं करने के आदेश पारित किये जिसमें अपीलांटस को किसी प्रकार की क्षति उत्पन्न नहीं हो रही है। विवादित आराजी के हक-हकूक तो बाद साक्ष्य व सुनवाई के बाद में तैय किये जायेंगे। इसलिए अपीलांटस द्वारा प्रस्तुत अपील को खारिज किये जाने के आदेश प्रदान करावे।

अभिभाषक उभयपक्ष की बहस पर मनन किया गया एवं अधीनस्थ न्यायालय के निर्णय एवं प्रस्तुत दस्तावेजात का अवलोकन किया गया। अधीनस्थ न्यायालय ने अपने आदेश दिनांक 15.06.2016 द्वारा विवादित आराजी के राजस्व रिकार्ड एवं मौके की यथास्थिति बनायी जाने एवं एक-दूसरे के कब्जे काश्त में दखलंदाजी नहीं करने के आदेश पारित किये है। उक्त आदेश से अपीलांटस को किसी प्रकार क्षति उत्पन्न नहीं होनी चाहिए। धारा 212 " अधिनियम" के तहत किसी भी विवादित भूमि के Waste, damage or alination करने के खतरे अथवा भय के विरुद्ध अस्थायी निषेधाज्ञा देने का न्यायालय को अधिकार है। उनका यह भी तर्क है कि इस प्रकरण में टाईटल के सम्बन्ध में प्रार्थी / प्रतिवादी एवं अप्रार्थी / वादी के मध्य गम्भीर सद्भावी विवाद को मानते हुए अधीनस्थ न्यायालय ने भूमि के राजस्व रिकार्ड एवं मौके की यथास्थिति बनायी रखी जाने एवं एक-दूसरे के कब्जे काश्त में दखलंदाजी नहीं करने के आदेश पारित किये है, उन्हें किसी भी दृष्टिकोण से मनमाना आदेश नहीं कहा जा सकता इसलिए इस अधीनस्थ न्यायालय उपखण्ड अधिकारी, दूदू के आदेश में किसी प्रकार के हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है। उपरोक्त परिप्रेक्ष्य में अपील अपीलांटस खारिज योग्य पायी जाती है।

अतः अपील अपीलांटस खारिज की जाती है तथा विद्वान उपखण्ड अधिकारी, दूदू का आदेश दिनांक 15.06.2019 यथावत् रखा जाता है। पत्रावली फ़ैसलशुमार होकर नम्बर से कम हो।


राजस्व अपील प्राधिकारी
अजमेर